12/11/24 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित
बहस सुनी गई। पत्रावली को आज आदेश
में लिया जाकर अवलोकन किया गया।
बहस पर मनन किया गया। प्रार्थी गु
द्वारा प्रस्तुत दावा में वाद साक्ष्य जब तक
पक्षकारान के [illegible] तथा
जाय [illegible] में प्रार्थी का
प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर तादेखल/
अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की जाती है कि
प्रार्थना पत्र में वर्णित भूमि बाजट मौके
व रिकॉर्ड [illegible] यथा स्थिति तादेखल/
कब्जा ता. बनाये रखें। पत्रावली

Signature Not Verified
Digitally signed by Shakuntala
Date: 2024.12.04 12:55:18 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

फैसला सुनाया गया। पत्रावली बाद नियम
सें क्रम होकर मूल वाद के संलग्न होकर
दाखिल दफ्तर हो।

12/11/24

Signature Not Verified
Digitally signed by Shakuntala
Date: 2024.12.04 12:55:18 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner